पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

सैयारा फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा ने की रैंपवॉक

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 185 ■ मंगलवार 14 अक्टूबर 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

epaper.ulhasvikas.com

उल्हासनगर के सरकारी दफ्तरों में घूमते हैं साँप!

■ पुलिस थाने में पाया गया 6 फुट लंबा धामन साँप

उल्हासनगर. शहर पूरी तरह से शहरीकृत हो चुका है और कभी जंगल रहे इलाकों में ऊँची इमारतें बन गई हैं। इसके बावजूद, कई जगहों पर साँप दिखने की घटनाएँ अभी भी हो रही हैं। पिछले महीने ही विट्ठलवाड़ी पुलिस थाने में एक साँप पकड़ा गया था। उल्हासनगर शहरीकृत हो चुका है, लेकिन शहर के पास प्राकृतिक आवास अभी भी मौजूद है।

रीजेंसी, एंटीलिया जैसे विकसित इलाकों, कैंप नंबर 1 स्थित बंद पड़ी अमरदाई और ऐरिया कंपनियों, शहर के पास महारल, वरप, कम्बा गाँवों के साथ-साथ आशेले, मनेरे, वासर और हाजीमलंग इलाकों में साँपों की बड़ी संख्या है। पवई चौक स्थित पुराने प्रांतीय कार्यालय में साँप घूमते थे। प्रांतीय अधिकारी साँप मित्रों को बुलाकर कार्यालय और आँगन में घूम रहे साँपों को पकड़वाते थे।

ग्रामीण इलाकों से मरीज़ों की संख्या ज़्यादा

पिछले कुछ महीनों में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन के कार्यालय में 6 फुट लंबा धामन साँप मिलने से पुलिसकर्मी हैरान रह गए। इससे पहले, पास के पुलिस यातायात कार्यालय परिसर में भी एक साँप देखा गया था। शहर से सटे ग्रामीण इलाकों में खुले स्थान और जंगल होने के कारण, साँपों की संख्या ज़्यादा है। इससे नागरिकों की जान को ख़तरा हो सकता है।

बाइक में ली शरण

शहर में कई जगहों पर साँप मिलने की घटनाएँ सामने आई हैं। पिछले महीने सेंट्रल अस्पताल के सामने एक साँप ने एक बाइक में भी शरण ली थी। अस्पताल के ज़िला शल्य चिकित्सक डॉ. मनोहर बनसोडे ने बताया कि सेंट्रल अस्पताल में ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में सर्पदंश के मरीज़ आ रहे हैं। मरीज़ को यहाँ लाने पर समय पर इलाज दिया जाता है। दवाइयाँ भी उपलब्ध हैं। अगर मरीज़ गंभीर होता है, तो उन्हें आगे के इलाज के लिए मुंबई और ठाणे भी भेजा जाता है।

नाबालिग बच्चे की पिटाई के मामले में मुख्य आरोपी नाशिक से गिरफ्तार

उल्हासनगर. एक नाबालिग बालक की पैसों के लालच में पिटाई कर उसको लहूलुहान करने के मामले में स्थानीय पुलिस ने मुख्य आरोपी मोहित लोहिया को नाशिक से गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है. आरोपी तीन दिन के पुलिस रिमांड पर है.अन्य की पुलिस तलाश कर रही है.

एकनाथ शिंदे को घेरने की तैयारी

उप मुख्यमंत्री शिंदे को बड़ा झटका

मनपा चुनाव में भाजपा-राकांपा साथ, शिवसेना अकेली पड़ी

बदलापुर. स्थानीय निकाय चुनावों की हवा चल रही है, वहीं बदलापुर में भाजपा विधायक किसन कथोरे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को बड़ा झटका दिया है।

बदलापुर नपा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने गठबंधन किया है। बदलापुर के साथ-साथ अंबरनाथ में भी भाजपा और राकांपा के बीच गठबंधन की संभावना है। इसलिए, ऐसा लगता है कि सहयोगी दलों ने आगामी चुनावों में ठाणे जिले के गढ़ में एकनाथ

शिंदे को घेरने की योजना बनाई है।

बदलापुर में शिवसेना और भाजपा दोनों की ही ताकत काफी है। हालाँकि, भाजपा विधायक किसन कथोरे और शिवसेना नगर प्रमुख वामन म्हात्रे के बीच विवाद के कारण पिछले कई दिनों से इस बात पर चर्चा चल रही है कि गठबंधन बनेगा या नहीं। दोनों दल उम्मीदवारों को लुभाने में जुटे हैं। बदलापुर में पार्टी प्रवेश कार्यक्रम चल रहा है, वहीं भाजपा और राकांपा ने गठबंधन करके शिंदे को बड़ा झटका दिया है।

खास बात यह है कि पिछले हफ्ते उपमुख्यमंत्री अजित पवार मुरबाड दौरे के दौरान किसन कथोरे के घर गए थे। हालाँकि कहा जा रहा था कि यह दौरा विकास कार्यों से जुड़ा था, लेकिन क्या इस दौरे में गठबंधन पक्का हो गया? यह चर्चा अब गरमा गई है। देखना होगा कि बदलापुर के इन राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच शिवसेना क्या भूमिका निभाती है।

दूसरी ओर, अंबरनाथ में, सदाशिव पाटिल हाल ही में राकांपा (शरद पवार गुट) से अजित पवार की राकांपा में शामिल हुए हैं। उन्हें अंबरनाथ शहर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके बाद, भाजपा के प्रदेश सचिव गुलाबराव करंजुले पाटिल ने सदाशिव पाटिल से मुलाकात की और उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर, भाजपा के कल्याण जिला महासचिव अभिजीत करंजुले पाटिल ने बताया कि दोनों दल गठबंधन के प्रति सकारात्मक हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस संबंध में वरिष्ठ नेता जो भी निर्णय लेंगे, वह स्वीकार्य होगा।

एनसीपी शहर अध्यक्ष सदाशिव पाटिल ने बताया कि वे भाजपा के साथ गठबंधन के लिए तैयार हैं और वरिष्ठों के निर्णय के अनुसार काम करेंगे। इसलिए अंबरनाथ में भी एनसीपी और भाजपा के बीच गठबंधन की प्रबल संभावना है, लेकिन शिवसेना के अकेले लड़ने के संकेत मिल रहे हैं।

पानी की भीषण समस्या से परेशान

खुद को जलाने का प्रयास

■ उल्हासनगर में पानी के लिए हाहाकार
■ श्रीरामनगर में पानी नहीं
■ नागरिकों में रोष व्याप्त
■ जल आपूर्ति विभाग कार्यालय पर मोर्चा
■ महिलाओं द्वारा खाली बर्तन लेकर विरोध प्रदर्शन

उल्हासनगर. उल्हासनगर 4 के श्रीरामनगर इलाके के नागरिक पिछले पांच दिनों से पानी के बिना परेशान हैं। शुक्रवार को जल आपूर्ति विभाग द्वारा 24 घंटे का शटडाउन लिया गया था, लेकिन उसके बाद भी 9 अक्टूबर से सोमवार तक इलाके के नागरिकों को पानी की एक बूंद भी नहीं मिली है। पानी की इस भीषण कमी से नागरिकों में रोष व्याप्त है।

इसी पृष्ठभूमि में, गुस्साए नागरिकों ने आज प्रभात गार्डन स्थित जल आपूर्ति विभाग कार्यालय पर मोर्चा निकाला। इस मोर्चे में बड़ी संख्या में महिलाएं और नागरिक शामिल हुए। कई महिलाएं सिर पर खाली बर्तन लेकर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं। जब नागरिकों ने अधिकारियों से पूछा, 'पानी की आपूर्ति क्यों शुरू नहीं हो रही है?', तो अधिकारियों के गोलमोल जवाब से माहौल और भी गरमा गया।

इसी दौरान, भाजपा पदाधिकारी योगेश म्हात्रे ने प्रशासन की निष्क्रियता के विरोध में खुद पर मिट्टी का तेल डालकर आत्मदाह करने की कोशिश की। हालांकि, वहां मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत रोक लिया, अन्यथा एक बड़ा हादसा हो सकता था। नागरिकों ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में पानी के लिए यह तीसरा मोर्चा है, फिर भी प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

श्रीरामनगर क्षेत्र के नागरिकों ने चेतावनी दी कि अगर इस बार भी पानी की समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो वे शहर के श्रीरामनगर मुख्य चौराहे पर चक्का जाम करेंगे। इस विरोध प्रदर्शन में योगेश म्हात्रे, भाविका म्हात्रे, बापू सावंत, प्रकाश माली, निखिल पाटिल समेत श्रीरामनगर क्षेत्र के सैकड़ों महिला-पुरुष नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे। सवाल यह है कि क्या नागरिकों के इस तीव्र विरोध प्रदर्शन के बाद अब प्रशासन जागेगा?

अंबरनाथ नपा पर महायुति की सत्ता आएगी -हिंदूराव

■ फुलेनगर में डी मोहन के जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन
■ उप मुख्यमंत्री अजित पवार अंबरनाथ का दौरा करेंगे

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद में महायुति की सत्ता आएगी और उसमें राकांपा अजित पवार भी सहभाग रहेगा. शहर पश्चिम में महात्मा फुले नगर में नवनियुक्त पक्ष कार्य अध्यक्ष डी मोहन के जनसंपर्क कार्यालय के उद्घाटन के बाद प्रदेश उपाध्यक्ष प्रमोद हिंदूराव एवं जिलाध्यक्ष भरत गोंधली ने ये बात कही है. पक्ष में अध्यक्ष पद पर सदाशिव पाटिल एवं कार्याध्यक्ष डी मोहन की नियुक्ति के बाद शहर में राकांपा अजित पवार को बल मिला है. राज्य के उप मुख्यमंत्री एवं पक्ष सुप्रीमो अजित पवार, मंत्री अदिति तटकरे भी अंबरनाथ का दौरा जल्द ही करेंगे. ऐसा प्रमोद हिंदूराव ने कहा है. रविवार की शाम में महात्मा फुले नगर में पक्ष के जनसंपर्क कार्यालय के उद्घाटन के समय प्रमोद हिंदूराव, पूर्व सांसद आनंद परांजपे, जिला अध्यक्ष भरत गोंधली, शहर अध्यक्ष सदाशिव पाटिल, महिला जिला अध्यक्षा कल्पना तारमले, न्याय विभाग के अध्यक्ष कमलाकर सूर्यवंशी अनेक मान्यवर, पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे. डी मोहन ने सभी मान्यवरों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करके उनका आभार व्यक्त किया. पूर्व सांसद परांजपे ने कहा कि इस कार्यालय के उद्घाटन से गरीबों की सेवा होगी. कार्यालय के माध्यम से लोगों की समस्या को हल करके उन्हें न्याय दिलाया जाएगा. बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कार्याध्यक्ष डी मोहन ने कहा कि उन्हें पक्ष ने जिस भरोसे से जनता की सेवा करने का मौका दिया है. वह कार्यालय के माध्यम से एवं उनके वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन से हल किया जाएगा.

समविचारी दलों का सत्ता में आना ज़रूरी

■ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण का प्रतिपादन

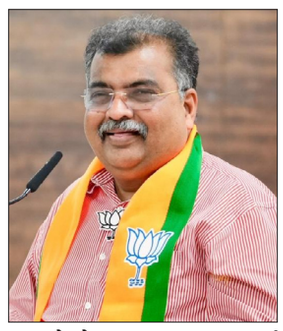

कल्याण. केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार है। इसलिए, आने वाले समय में स्थानीय स्वशासन निकायों में समविचारी राजनीतिक दलों का सत्ता में आना बेहद ज़रूरी है। इसके लिए, आगामी मनपा चुनावों को देखते हुए प्रत्येक क्षेत्र में जनसंपर्क कार्यालय स्थापित किए जाने चाहिए, ऐसा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक रवींद्र चव्हाण ने कहा। चव्हाण ने कल्याण पूर्व के पिसवली में केडीएमसी के पूर्व उप महापौर मोरेश्वर भोईर के जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन किया। वे इस अवसर पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल, जगन्नाथ पाटिल, विधायक सुलभा गायकवाड़, निरंजन डावखरे, पूर्व विधायक नरेंद्र पवार, जिला अध्यक्ष नंदू परब, नरेंद्र सूर्यवंशी, महिला जिला अध्यक्ष रेखा चौधरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मनपा चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी के हर वार्ड में नए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आगमन शुरू हो गया है। ये कार्यालय भारतीय जनता पार्टी के लिए हर वार्ड में जनता तक पहुँचने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसी कड़ी में, पिसवली वार्ड में पूर्व उप-महापौर मोरेश्वर भोईर के एक और कार्यालय का उद्घाटन किया गया। मोरेश्वर भोईर भाजपा पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता हैं। वह पार्टी संगठन को मजबूत करने और नागरिकों को लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से काम करते हैं। पार्टी ने उन पर ध्यान दिया और उन्हें उप-महापौर का पद दिया। उन्होंने उस पद के साथ न्याय भी किया। साथ ही, नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने कहा है कि नागरिकों की मदद के लिए हर वार्ड में भाजपा का जनसंपर्क कार्यालय होना आवश्यक है, और इसी के अनुरूप यह कार्यालय शुरू किया गया है, और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल ने विश्वास व्यक्त किया कि नागरिकों को यहाँ न्याय मिलेगा।

भारी बहुमत से जीतेंगे

पिसवली वार्ड में भाजपा अच्छा काम कर रही है, लेकिन यहाँ कोई कार्यालय नहीं था। नागरिकों को मलंग रोड स्थित कार्यालय में आना पड़ता था। नागरिकों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए, पिसावली में एक कार्यालय खोला गया है। अंत्योदय विकास भाजपा के पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मूल मंत्र था। विकास अंतिम चरण तक पहुँचे, यही प्रयास इस कार्यालय के माध्यम से किया जाएगा। मोरेश्वर भोईर ने कहा कि यह जनसंपर्क कार्यालय जनसेवा का कार्यालय होगा। भोईर ने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि पिसवली और आसपास के वार्डों में भाजपा के अच्छे काम के कारण भाजपा बड़े अंतर से जीतेगी।

2 युवकों की मौत के बाद जागा PWD विभाग

स्पीड ब्रेकर पर सफेद पट्टा मारने का काम शुरू

अंबरनाथ. अंबरनाथ आईटीआई के पास केबी सड़क पर पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाए गए स्पीड ब्रेकर से बाइक से उछलकर दो युवकों की मौत हो गई थी. उनकी मौत का जिम्मेदार पीडब्ल्यूडी विभाग को ठहरा कर विभाग के अभियंता पर अपराध दर्ज करने की मांग पुलिस से की जा रही थी. केबी रोड पर पांच जगहों पर स्पीड ब्रेकर बनाकर उस पर सफेद पट्टा, लाइट, बोर्ड आदि नहीं लगाने से दो युवकों की मौत हुई है, हमने भी ऐसी ही खबर को प्रकाशित किया था. दोनों युवकों की मौत के बाद पीडब्ल्यूडी विभाग जागा और सोमवार को स्पीड ब्रेकर के ऊपर पट्टा मारने का कार्य शुरू किया गया है. लोगों का कहना है कि क्या पीडब्ल्यूडी विभाग किसी की मौत का इंतजार कर रहा था. अगर पहले ही ये सफेद पट्टा स्पीड ब्रेकर पर मारा जाता तो दो बेकसूर युवकों की मौत नहीं होती. स्पीड ब्रेकर के पास निर्देश बोर्ड, लाइट भी लगाने की जरूरत है. शहरवासियों का तो ये भी कहना है कि केबी मुख्य महामार्ग है. महामार्ग पर स्पीड ब्रेकर ही नहीं होना चाहिए. इस सड़क पर आईटीआई के समक्ष रिलायंस पेट्रोल पंप के पास और उसके आगे पांच स्पीड ब्रेकर बनाए गए हैं, जिसकी जरूरत नहीं है.

प्रदूषणकारी कारखानों का दूषित पानी खेती के लिए खतरनाक

■ जींस कारखानों से निकलने वाले रसायन सीधे खुले में

कल्याण. उल्हासनगर शहर से बेदखल की गईं जींस कारखानों ने नेवाली की चॉलों में शरण ले ली है। डोंबिवली पाइपलाइन हाईवे पर धामटण में चॉलों के चारों ओर सुरक्षा दीवारें बनाकर जींस उद्योगों ने काम शुरू कर दिया है। खुले में छोड़ा जाने वाला दूषित पानी इलाके और खेती के लिए बेहद खतरनाक है। इसलिए, प्रदूषण से इलाके को नुकसान पहुँचने से पहले कारखानों को बंद करने की ज़रूरत है। हालाँकि, प्रदूषण नियंत्रण निगम और स्थानीय स्व-सरकारी निकायों की लापरवाही के कारण, जींस कारखानों से निकलने वाले रसायन खुले में छोड़े जा रहे हैं।

उल्हासनगर से होकर बहने वाली वालधुनी नदी के प्रदूषण के लिए ज़िम्मेदार जींस कारखानों को बॉम्बे उच्च न्यायालय ने बंद कर दिया था। शहर में कारखानों के बंद होने के बाद, उन्होंने मलंगगढ़ इलाके में शरण ली। इन कारखानों ने अब नेवाली क्षेत्र में बदबू पैदा कर दी है। नेवाली के धामटण क्षेत्र में नालियाँ और एमआईडीसी सीवर हैं। कारखानों से निकलने वाले दूषित पानी को बिना किसी उपचार के खुले में छोड़ा जा रहा है। इससे क्षेत्र में भारी बदबू पैदा हो गई है। चूँकि इन चॉलों के क्षेत्र के नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, कई लोग अपने घर छोड़कर इलाके से पलायन कर गए हैं।

इसलिए, वर्तमान में यह सवाल उठ रहा है कि प्रदूषण नियंत्रण निगम को नागरिकों और वन्यजीवों के जीवन से खिलवाड़ करने वाले जींस कारखानों के खिलाफ कार्रवाई करने का समय कब मिलेगा। प्रदूषण नियंत्रण निगम इन कारखानों के खिलाफ संतोषजनक कार्रवाई करने में विफल रहा है जब तक फैक्ट्रियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की जाती, फैक्ट्री मालिक इसी तरह खुले में दूषित पानी छोड़ते रहेंगे।

उल्हासनगर में केबी रोड का काम शुरू

■ बारिश के कारण रुका था कार्य
■ सड़क कुल 68 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी
■ भूमि पूजन कार्यक्रम में भाजपाई शामिल

कल्याण. कल्याण-बदलापुर सड़क का काम कुछ महीने पहले शांतिनगर इलाके से शुरू किया गया था। हालाँकि, बारिश के कारण यह काम कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। पहले चरण में शांतिनगर से कब्रिस्तान तक काम शुरू किया गया था। अब, दूसरे चरण में सेक्शन 17 से फॉलोअर लाइन चौक तक की सड़क का काम शुरू किया जाएगा। यह महत्वपूर्ण सड़क कुल 68 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी और दूसरे चरण के काम का शिलान्यास सोमवार को किया। यह कार्य राज्य लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर, विधायक ने कहा, 'यदि पूरी सड़क को खोदकर कंक्रीट किया जाता है, तो इसमें दो साल तक का समय लग सकता है। इसलिए, मौजूदा सड़क को कंक्रीट किया जाएगा, और पूरी सड़क को पूरा करने में लगभग 9 महीने लगेंगे।' भूमि पूजन कार्यक्रम में विभाग के कार्यपालन अभियंता प्रशांत मानकर, राजेश वधरिया, महेश सुखरामानी, जमनू पुरस्वानी, टोनी सिरवानी आदि उपस्थित थे।

अब समृद्धि हाईवे से सीधे मुंबई

■ 29 किलोमीटर लंबा बनेगा एलिवेटेड रोड

मुंबई. समृद्धि हाईवे से आने वाले वाहन चालकों को जल्द ही आमने और साकेत (ठाणे) के बीच लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। इसके लिए 6 हज़ार करोड़ रुपये की लागत से लगभग 29 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड रोड बनाया जाएगा। साकेत-आनंदनगर के बीच एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जा रहा है और छेदानगर (घाटकोपर)-आनंदनगर के बीच पूर्वी फ्रीवे का विस्तार किया जा रहा है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद, समृद्धि से मुंबई बिना किसी बाधा के आवागमन कर सकेंगे।

701 किलोमीटर लंबे समृद्धि हाईवे पर नागपुर-मुंबई से आने वाले वाहन चालकों को वर्तमान में आमने (भिवंडी) से ठाणे तक ट्रैफिक जाम के कारण डेढ़ से दो घंटे का समय लगता है। साथ ही, ठाणे से मुंबई की ओर जाते समय भी उन्हें ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता है। इस पृष्ठभूमि में, एमएमआरडीए ने छेदानगर और आनंदनगर के बीच पूर्वी फ्रीवे का विस्तार करने का निर्णय लिया है और इस पर काम चल रहा है।

सड़कों की लंबाई	(किमी)
समृद्धि से साकेत	29
साकेत से आनंदनगर	8.24
आनंदनगर-छेड़ानगर	12.955
छेड़ानगर से फोर्ट	18

इसके अलावा, आनंदनगर से साकेत तक एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य भी चल रहा है। इससे भविष्य में साकेत से मुंबई का सफ़र और तेज़ हो जाएगा। सूत्रों ने बताया कि एमएमआरडीए ने एक नई योजना तैयार की है और 29.3 किलोमीटर लंबी एक नई सड़क बनाई जाएगी। इससे दक्षिण मुंबई तक आमने-साकेत, साकेत-आनंदनगर, आनंदनगर-छेदानगर और आगे मौजूदा पूर्वी फ्रीवे के ज़रिए आसानी से पहुँचा जा सकेगा।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

डिजिटल दुनिया में कैद हुए रिटायर्ड जज

डिजिटल प्रौद्योगिकी हमारे जीवन को आसान और कुशल बनाती है। इससे संचार, शिक्षा, बैंकिंग और स्वास्थ्य सहित कई सेवाएं बेहतर हो जाती हैं। निस्संदेह यह तकनीक आज के समय की जरूरत बन गई है। मगर निजी और व्यावसायिक स्तर पर इसका जितना महत्त्व है, बिना व्यापक जानकारी के इसका इस्तेमाल उतना ही खतरनाक साबित हो सकता है। इस आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल अब आपराधिक गतिविधियों में भी धड़ल्ले से होने लगा है। इसी तरह के एक मामले में महाराष्ट्र के अमरावती में उपभोक्ता अदालत से सेवानिवृत्त न्यायाधीश को साइबर जालसाजों ने 'डिजिटल अरेस्ट' कर उनसे इकतीस लाख रुपए ठग लिए।

हालांकि, इस तरह की यह कोई पहली घटना नहीं है, इससे पहले भी ऐसे कई मामले देश भर में सामने आ चुके हैं। मगर सवाल है कि इन घटनाओं से शासन-प्रशासन और डिजिटल तकनीक से जुड़े लोग क्या सबक ले रहे हैं? क्या इस तरह के अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए विभिन्न स्तरों पर कोई ठोस उपाय किए गए हैं? दरअसल, 'डिजिटल अरेस्ट' का मतलब है कि जब साइबर जालसाज किसी व्यक्ति को आनलाइन माध्यम से डराते-धमकाते हैं और उसे तब तक एक स्थान पर ही रहने को मजबूर कर देते हैं, जब तक कि वह मुंह मांगी रकम नहीं दे देता। ऐसे में सबसे पहले यह जरूरी है कि डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल करने वाले लोग ज्यादा से ज्यादा जागरूक हों। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या सौ करोड़ तक पहुंच गई है। मगर, सवाल है कि इनमें से कितने लोग ऐसे होंगे, जो डिजिटल तकनीक की जटिलताओं और इसके संभावित खतरों को जानते-समझते हैं?

आए दिन सामने आ रहे साइबर अपराधों की तस्वीर से साफ है कि ऐसे लोगों की संख्या बेहद कम है। अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अगर शिक्षित एवं उच्च पदों पर रहे लोग भी साइबर ठगी का शिकार हो रहे हैं, तो डिजिटल तकनीक के मामले में आम लोगों के साथ क्या स्थिति होगी। सरकार की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि किसी नई तकनीक को लेकर जनता के बीच व्यापक जागरूकता लाई जाए। साथ ही, तकनीक के दुरुपयोग को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

भारत-अमेरिका के बीच साझेदारी ही स्थिरता की गारंटी

अमेरिका के नवनियुक्त राजदूत और दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के विशेष दूत सर्जियो गोर ने पहले ही दिन भारत के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश सचिव विक्रम मिस्री से उनकी बैठकें संकेत हैं कि वाशिंगटन भारत के साथ अपने रिश्ते को नई गति देने के मूड में है। इस सौहार्दपूर्ण शुरुआत के पीछे गोर के लिए चुनौतियों का एक जटिल जाल बिछा हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मित्रता ने जहां संबंधों में नई ऊर्जा डाली है, वहीं दोनों देशों के बीच व्यापारिक मतभेद, तकनीकी साझेदारी की जटिलताएं और दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन को लेकर चिंताएं अब भी बनी हुई हैं। गोर के लिए सबसे बड़ी कसौटी यह होगी कि वे व्यक्तिगत निकटता को नीति में बदलें और इन विरोधाभासों को समेटते हुए संबंधों को नई दिशा दें।

गोर का भारत में राजदूत के साथ-साथ दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों का विशेष दूत भी होना एक राजनीतिक संकेत है कि अमेरिका भारत और उसके पड़ोसी क्षेत्र को अब सीधे राष्ट्रपति की प्राथमिकता के रूप में देख रहा है, परंतु यह दोहरी भूमिका भारत के लिए दुविधा का विषय भी है। नई दिल्ली लंबे समय से यह सुनिश्चित करना चाहती है कि उसे दक्षिण एशिया के पारंपरिक 'भारत-पाकिस्तान' ढांचे में न बांधा जाए। गोर के लिए यह चुनौती होगी कि वे भारत की वैश्विक भूमिका को

बनाए रखते हुए अपने क्षेत्रीय दायित्वों का निर्वाह करें।

उनकी सबसे कठिन परीक्षा आर्थिक मोर्चे पर होगी। ट्रंप प्रशासन की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के तहत भारत पर लगाए गए ऊंचे टैरिफ ने दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ा दिया है। अमेरिका का दावा है कि भारत के ऊंचे आयात शुल्क और रूस से तेल खरीद जैसी नीतियां 'असंतुलित' हैं। इसके जवाब में भारत ने अपने हितों की रक्षा पर जोर दिया है। संभावित व्यापार समझौता महीनों से ठप पड़ा है। ऐसे में गोर को इस प्रक्रिया को पुनर्जीवित करना होगा, वह भी बिना किसी घरेलू राजनीतिक विवाद के।

प्रौद्योगिकी साझेदारी भी उनके एजेंडे का एक संवेदनशील बिंदु है। भारत रक्षा और नवाचार क्षेत्र में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण चाहता है, जबकि अमेरिका अपनी बौद्धिक संपदा और सुरक्षा चिंताओं को लेकर सतर्क है। सेमीकंडक्टर, एआइ और डाटा सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग के अवसर तो हैं, पर नीतिगत स्पष्टता की कमी दोनों पक्षों को सतर्क रखती है। गोर का कार्य यह साबित करना होगा कि वाशिंगटन की तकनीकी नीति चीन को लेकर है, भारत को लेकर नहीं। रक्षा सहयोग के क्षेत्र में गोर को एक सकारात्मक आधार मिला है।

दोनों देशों के बीच हुए कोमकासा और बीईसीए जैसे समझौते सामरिक साझेदारी के नए युग की नींव बन चुके हैं। फिर भी भारत अमेरिका से अधिक तकनीकी हस्तांतरण और स्थानीय उत्पादन चाहता है, जबकि वाशिंगटन रूस से भारत के सैन्य संबंधों पर दबाव डालता है। गोर को इस संतुलन को साधना होगा, ताकि भारत की रक्षा स्वायत्तता प्रभावित न हो और अमेरिका की रणनीतिक अपेक्षाएं भी पूरी हों।

दक्षिण एशिया के परिप्रेक्ष्य में चुनौती और गहरी है। ट्रंप के पाकिस्तान के प्रति हालिया रुझान-इस्लामाबाद के नेतृत्व से मुलाकात और उसके ऊर्जा क्षेत्र में अमेरिकी निवेश के संकेत दिल्ली के लिए असहज हैं। भारत को यह आशंका है कि कहीं वाशिंगटन पुनः 'री-हाइफनेशन' यानी भारत-पाकिस्तान समानांतर नीति की ओर न लौट जाए। गोर की दोहरी जिम्मेदारी-दिल्ली और इस्लामाबाद, दोनों से संपर्क इस चिंता को और गहरा करती है।

उन्हें भारत को यह विश्वास दिलाना होगा कि ट्रंप का पाकिस्तान प्रेम रणनीतिक गणित का हिस्सा है, न कि नीति परिवर्तन का। महत्वपूर्ण खनिजों पर गोर और मोदी के बीच चर्चा यह दिखाती है कि अमेरिका इस क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाना चाहता है। दोनों देश चीन पर निर्भरता कम करने और 'फ्रेंड-शोरिंग' के माध्यम से वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखला बनाने के पक्षधर हैं, पर भारत की खनन नीतियां अभी भी जटिल हैं।

यदि हम ध्यानाभ्यास की कला में पारंगत हो जायें, तो हम जीवन के तूफानी समुद्र को सफलतापूर्वक पार कर लेंगे और आध्यात्मिक बंदरगाह में सकुशल पहुँच जायेंगे।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

कूटनीति बनाम मूल्यों की लड़ाई

भारत में महिला सशक्तीकरण की तस्वीर को सिर्फ इतने से समझा जा सकता है कि आज यहां महिलाएं अमूमन हर क्षेत्र में पुरुषों के समकक्ष खड़ी हैं। वे किसी भी जिम्मेदारी या दायित्व के मामले में बेहतरीन नतीजे दे सकती हैं। मगर चाहे-अनचाहे कई बार ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें महिलाओं के खिलाफ दुराग्रह आम दिखते हैं।

गौरतलब है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने अपने भारत दौरे के क्रम में नई दिल्ली में शुक्रवार को जो संवाददाता सम्मेलन किया, उससे महिला पत्रकारों को बाहर रखा गया। जिस दौर में भारत की बहुत सारी महिला पत्रकार देश-दुनिया की मुख्यधारा की पत्रकारिता में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कर रही हैं, वैसे समय में किसी देश के विदेश मंत्री से सवाल करने वालों के बीच उन्हें जगह नहीं दी जाए, तो यह न केवल सामान्य औपचारिकता के खिलाफ है, बल्कि पत्रकारिता के मोर्चे पर बेहद सक्षम रही महिलाओं को कमजोर मानने की तरह है।

यह संभव है कि किसी देश के दूतावास के परिसर के संदर्भ में जो नियम-कायदे लागू होते हैं, उसके मुताबिक मेजबान देश के दखल की एक सीमा होगी। मगर यह विचित्र है कि संवाददाता सम्मेलन से महिला पत्रकारों को बाहर रखने के मसले पर सरकार की ओर से कोई औपचारिक विरोध दर्ज नहीं किया गया।

इस मुद्दे के तूल पकड़ने के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने एक स्पष्टीकरण जरूर जारी किया कि इस संवाददाता सम्मेलन में उसकी कोई भूमिका नहीं थी! सवालों से घिरने के बाद रविवार को मुत्ताकी के एक और संवाददाता सम्मेलन में महिला पत्रकारों को भी बुलाया गया। इसे सिर्फ गलती में सुधार की कोशिश ही कहा जा सकता है!

इससे पहले के संवाददाता सम्मेलन में महिलाओं को बाहर रखने के पीछे की मानसिकता सवालों से परे नहीं हो जाती। दुनिया भर में भू-राजनीतिक तकाजों के मुताबिक रणनीतिक रूप से किसी अन्य देश के साथ संवाद और संबंध के ऐसे प्रारूप तय किए जा सकते हैं, जिससे अपने देश के हित सुनिश्चित किए जा सकें। आतंकवाद के मोर्चे पर अफगानिस्तान के साथ संवाद कायम करना भारत के हित में हो सकता है, लेकिन इस क्रम में तालिबान के वैचारिक मानदंडों या मानसिकता को जगह देना कितना सही माना जा सकता है।

अफगानिस्तान में वर्ष 2021 में सत्ता में आने के बाद तालिबान की सरकार की राजनीतिक विचारधारा और सामाजिक सोच से जुड़े पूर्वाग्रह छिपे नहीं रहे हैं। खासतौर पर महिलाओं के जीवन को लेकर उसकी संकीर्णता जगजाहिर रही है। अफगानिस्तान की महिलाओं और उनके मानव अधिकारों पर चोट करने वाली तालिबान की मानसिकता पर भारत में एक ठोस विरोध रहा है।

मगर तमाम प्रगतिशील मूल्यों और अपेक्षाओं को दरकिनार करके तालिबान ने अफगानिस्तान की महिलाओं की शिक्षा और नौकरी से लेकर सार्वजनिक गतिविधियों तक को नियम-कायदे बना कर नियंत्रित किया। सवाल है कि अफगानिस्तान में अपनी वैचारिक राजनीति को मनचाहे तरीके से लागू करने वाले तालिबान को भारत में वैसा कर पाने की सुविधा कैसे मिली।

क्या आप जानते हैं फ्लाइट में नहीं होती 13 नंबर की सीट?

जरा हट के

हवाई जहाज से ट्रैवल करते समय अगर आप गौर से सीटों के नंबर देखेंगे, तो एक अजीब बात नजर आएगी- ज्यादातर एयरलाइंस में 13 नंबर की कोई रो नहीं होती। रो 12 के बाद सीधे 14 नंबर शुरू हो जाता है। क्या आपने कभी इसकी वजह जानने की कोशिश की है?

क्या यह महज एक इत्तेफाक है, या इसके पीछे कोई ठोस वजह छुपी हुई है? आपको बता दें कि यह कोई संयोग नहीं, बल्कि एक सोच-समझकर लिया गया फैसला है, जिसके पीछे दिलचस्प कारण छिपे हैं।

इसके पीछे मुख्य कारण है संख्या 13 के लेकर दुनिया के कई हिस्सों में मौजूद अंधविश्वास। वेस्टर्न कल्चर में 13 को अशुभ माना जाता है। इस डर को 'ट्रिस्काइडेकाफोबिया' कहते हैं। दरअसल, इसकी जड़ें ईसाई परंपरा से जुड़ी है, जहां द लास्ट सपर में 13वें व्यक्ति के आने के

बाद ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया था। इसके अलावा, नॉर्स पौराणिक कथाओं में भी 13 संख्या को लेकर एक नकारात्मक घटना का जिक्र मिलता है। इस गहरे बैठे डर का असर यात्रा जैसे क्षेत्रों पर भी पड़ा, जहां सुरक्षा को सबसे पहली प्राथमिकता में रखा जाता है।

हवाई जहाज से ट्रैवल करना काफी स्ट्रेसफुल हो सकता है, खासकर उन यात्रियों के लिए जिन्हें उड़ान का डर हो। एयरलाइंस चाहती हैं कि उनके कस्टमर्स यात्रा के दौरान जितना संभव हो सके, रिलैक्स और कम्फर्टेबल महसूस करें। ऐसे में, अगर एक सीट नंबर यात्री के मन में किसी तरह के डर की भावना पैदा कर सकता है, तो कंपनियों के लिए उस नंबर को हटाना ही समझदारी भरा कदम है। यह एक साइकोलॉजिकल ट्रिक है।

यह एक बिजनेस डिसिजन भी है। कोई भी एयरलाइन नहीं चाहेगी कि उसकी कोई सीट सिर्फ एक नंबर के कारण खाली रहे या यात्री उसे लेने से कतराएं। 13वीं रो को हटाकर, एयरलाइंस इस जोखिम से बच जाती हैं कि कोई यात्री इस सीट पर बैठने से इनकार कर देगा या दूसरी फ्लाइट की खोज करेगा। खासकर इंटरनेशनल ट्रैवल्स में, जहां यात्री अलग-अलग कल्चरल बैकग्राउंड से आते हैं, यह और भी जरूरी हो जाता है।

नमकीन सेवई

खाना-खजाना

सामग्री :

- भुनी हुई सेवई : 1 कप
- बारीक कटी हुई सब्जियां: आधा कप (गाजर, मटर, शिमला मिर्च, प्याज)
- तेल या घी: 2 बड़े चम्मच
- राई: आधा छोटा चम्मच
- कढ़ी पत्ता: 5-6
- बारीक कटी हरी मिर्च: 1
- अदरक-लहसुन का पेस्ट: आधा छोटा चम्मच (अगर पसंद हो)
- हल्दी पाउडर: एक चौथाई छोटा चम्मच
- नमक: स्वादानुसार
- पानी: 1.5 से 2 कप
- गार्निश के लिए: नींबू का रस और हरा धनिया

विधि :

अगर आपकी सेवई भुनी हुई नहीं है, तो एक पैन में थोड़ा सा घी डालकर उसे हल्का सुनहरा होने तक भून लें। भुनी हुई सेवई इस्तेमाल करने से सेवई आपस में चिपकेगी नहीं।

उसी पैन में थोड़ा और तेल डालें। राई और कढ़ी पत्ता डालकर तड़का लगाएं। जब राई चटकने लगे, तो प्याज और हरी मिर्च डालकर भूनें। अब अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें और एक मिनट तक पकाएं।

कटी हुई गाजर, शिमला मिर्च, और मटर डालकर 2-3 मिनट तक भूनें। अब इसमें हल्दी और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

अब पैन में पानी डालें और एक उबाल आने दें। जब पानी उबलने लगे, तो भुनी हुई सेवई डालें और अच्छी तरह मिलाएं।

आंच धीमी कर दें और पैन को ढक दें। सेवई को पानी सोखने और पूरी तरह पकने तक पकाएं। इसमें लगभग 5-7 मिनट लगेंगे। बीच-बीच में एक बार चला सकते हैं।

गैस बंद कर दें। सेवई को थोड़ा ठंडा होने दें ताकि वह खिली-खिली हो जाए। ऊपर से नींबू का रस और कटा हुआ हरा धनिया डालकर गरमा-गरम परोसें।

ला-नीना इफेक्ट के कारण इस साल बढ़ेगी ठंड

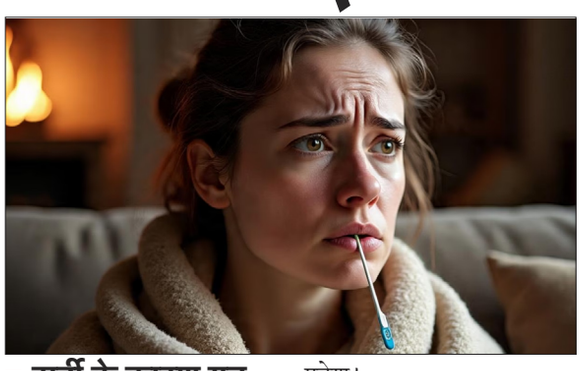

- **सर्दी के कारण मन, नींद और एनर्जी पर होगा असर**

ठंड का मौसम सिर्फ तापमान नहीं बदलता, बल्कि हमारे मन और शरीर की गति भी बदल देता है। इस साल ला-नीना इफेक्ट के चलते सर्दी और ज्यादा बढ़ने की संभावना है, जिसका सीधा असर हमारे मूड, नींद के पैटर्न और ऊर्जा के स्तर पर पड़ेगा।

जैसे-जैसे दिन छोटे होते हैं और धूप कम होती है, हमारे शरीर का इंटरनल क्लॉक यानी सर्केडियन रिदम गड़बड़ा जाता है। इससे न केवल सोने और जागने की साइकिल प्रभावित होती है, बल्कि शरीर में 'फील-गुड' हार्मोन सेरोटोनिन का स्तर भी घटने लगता है, जिससे उदासी और सुस्ती महसूस हो सकती है। आइए समझें इस बारे में।

सर्दी में मन और नींद पर क्यों पड़ता है असर?

वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि मौसम का बदलाव हमारे दिमाग के केमिकल्स को प्रभावित करता है। ठंड के महीनों में धूप की कमी से मेलाटोनिन हार्मोन का संतुलन बिगड़ सकता है, जो नींद को कंट्रोल करता है। नतीजा ये होता है कि कई लोगों को नींद न आने की समस्या या फिर दिनभर थकान महसूस होती है। हार्वर्ड और फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी की एक स्टडी के अनुसार, सर्दियों में लोगों की नींद की गुणवत्ता में गिरावट आती है, जिसका सीधा असर उनकी काम करने की क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है।

ला-नीना इस साल क्यों लाएगा ज्यादा ठंड?

ला-नीना एक नेचुरल क्लाइमेटिक पैटर्न है, जो प्रशांत महासागर के सतही जल के तापमान में बदलाव से पैदा होता है। इसके कारण इस साल उत्तर भारत में सामान्य से ज्यादा ठंड पड़ने की संभावना है। लंबे समय तक रहने वाली यह ठंड न केवल शारीरिक स्वास्थ्य, बल्कि मानसिक स्थिति को भी प्रभावित कर सकती है। ऐसे में, खुद की सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

एनर्जी कैसे बनाए रखें?

- **सुबह की धूप है जरूरी**- रोजाना कम से कम 20-30 मिनट सुबह की धूप में बैठें। इससे शरीर को भरपूर मात्रा में विटामिन-डी मिलेगा, जो न केवल हड्डियों के लिए फायदेमंद है, बल्कि मूड को भी ठीक रखता है।
- **फिजिकली एक्टिविटी रहें** - ठंड में अक्सर लोग शारीरिक एक्टिविटी से दूर भागते हैं, लेकिन हल्की स्ट्रेचिंग, योग या घर के अंदर की एक्सरसाइज एनर्जी के स्तर को बनाए रखने में मदद कर सकती है।
- **स्लीप रूटीन फिक्स रखें**- रोज एक फिक्स समय पर सोने और उठने की कोशिश करें। इससे शरीर की बायोलॉजिकल क्लॉक स्थिर रहेगी और नींद की गुणवत्ता में सुधार होगा।
- **सही डाइट लें**- ठंड में गर्म और पौष्टिक डाइट लेनी जरूरी है। विटामिन-सी और डी से भरपूर फूड्स इम्यून सिस्टम को मजबूत रखने के साथ-साथ मूड को भी बेहतर बनाते हैं।

एक दिन में कितनी शराब पीना सेफ

- **WHO की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा**
- **आप तो नहीं कर रहे गलती?**

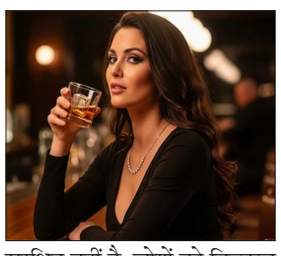

शराब पीने का खतरनाक ट्रेंड लगातार बढ़ता जा रहा है. बड़ी संख्या में लोग शादी, पार्टी और त्योहारों पर शराब पीने लगे हैं. शराब को सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक माना जाता है. इसमें अल्कोहल होता है, जो शरीर में जाकर ऑर्गन्स पर बुरा असर डालता है. कई लोगों को शराब की लत लग जाती है और वे रोज शराब पीने लगते हैं. अक्सर लोग मानते हैं कि कम मात्रा में रोज शराब पीना सेफ होता है, लेकिन वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (WHO) ने इसे लेकर एक रिपोर्ट जारी की थी. इस रिपोर्ट को जानकर आप पूरी तरह चौंक जाएंगे. चलिए जानते हैं कि WHO ने शराब को लेकर क्या कहा है और इसके ज्यादा सेवन से सेहत को कितना नुकसान हो सकता है.

WHO की रिपोर्ट के मुताबिक शराब की कोई भी कोई मात्रा सेहत के लिए सुरक्षित नहीं मानी जा सकती है. शराब की पहली बूंद से सेहत के लिए खतरे पैदा हो जाते हैं. एक बूंद शराब पीना भी आपके लिए सुरक्षित नहीं है. लोगों को बिल्कुल शराब नहीं पीनी चाहिए. कई लोग मानते हैं कि सीमित मात्रा में शराब जैसे रेड वाइन पीना दिल के लिए अच्छा होता है, लेकिन WHO का मानना है कि इस तरह के दावे भ्रामक हो सकते हैं. WHO और इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (IARC) के अनुसार शराब एक ग्रुप-1 कैंसरजन यानी कैंसर पैदा करने वाला पदार्थ है. शराब पीने से मुंह, गले, लिवर, ब्रेस्ट और कोलन कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. यह खतरा सिर्फ ज्यादा शराब पीने वालों तक सीमित नहीं है, बल्कि कम पीने वालों में भी यह रिस्क होता है.

कई लोग मानते हैं कि सीमित मात्रा में शराब दिल के लिए लाभकारी होती है, लेकिन नई रिसर्च और WHO की चेतावनी बताती है कि शराब दिल की बीमारियों, हाई बीपी, स्ट्रोक और दिमागी समस्याओं का कारण बन सकती है. खासकर लगातार शराब पीने से दिल की धड़कन अनियमित हो सकती है और हार्ट फेल का खतरा भी बढ़ जाता है. WHO ने यह चेतावनी इसलिए दी है, क्योंकि दुनियाभर में शराब के सेवन से हर साल लाखों मौतें होती हैं. हर साल लगभग 30 लाख लोग शराब से संबंधित बीमारियों की वजह से जान गंवाते हैं, जो पूरी दुनिया में होने वाली मौतों का लगभग 5% है. एक्सपर्ट्स की मानें तो शराब पीने से न सिर्फ फिजिकल हेल्थ को नुकसान होता है, बल्कि यह मेंटल हेल्थ के लिए भी बेहद खतरनाक है. WHO और अन्य स्वास्थ्य एजेंसियों का साफ कहना है कि शराब से जितना कम संपर्क होगा, स्वास्थ्य के लिए उतना बेहतर होगा. सबसे सुरक्षित विकल्प शराब न पीना है. अगर कोई व्यक्ति पहले से शराब पीता है, तो उसे धीरे-धीरे इसकी मात्रा को कम करके पूरी तरह छोड़ने की सलाह दी जाती है. शराब को लेकर फैले भ्रम और मिथकों को अब वैज्ञानिक तथ्यों से समझने का समय है. अगर आप अपने दिल, दिमाग और शरीर को लंबे समय तक स्वस्थ रखना चाहते हैं, तो शराब से दूरी बनाना ही समझदारी है.

किचन के चिपचिपे डिब्बे अब झटपट होंगे साफ

- **अपनाएं ये आसान घरेलू ट्रिक्स**

किचन में रखे डिब्बे, जार और बर्तन अक्सर चिपचिपे हो जाते हैं. खासकर जब आप शहद, सॉस, तेल या किसी भी तरह का मसाला रखते हैं. इससे न सिर्फ सफाई मुश्किल होती है, बल्कि कीटाणु भी बढ़ सकते हैं, लेकिन अब परेशान होने की जरूरत नहीं है. घर पर मौजूद आसान चीजों से आप अपने चिपचिपे डिब्बों को झटपट साफ कर सकते हैं.

डिटर्जेंट करेगा कमाल

सबसे आसान तरीका गर्म पानी और डिटर्जेंट का है. एक बाल्टी में गर्म पानी लें और उसमें थोड़ा डिटर्जेंट डालें. डिब्बों को इसमें भिगो दें. जहां 5-10 मिनट बाद साफ स्पंज या ब्रश से अच्छे से रगड़ें. यह तरीका ज्यादातर चिपचिपे मसालों और सॉस के लिए कारगर है. इससे कितने ही जिद्दी गंदे डिब्बे हों, वह सब साफ हो जाएंगे. अगर डिब्बे पर जिद्दी चिपचिपापन है, तो सिरका और बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करें. पहले डिब्बे पर थोड़ा बेकिंग सोडा छिड़कें और फिर सिरके से स्पर्श करें. थोड़ी देर रुकने के बाद साफ कपड़े या स्पंज से पोंछ लें. चमत्कारिक रूप से डिब्बे चमकने लगेंगे.इसके अलावा, लेमन और नमक भी कारगर है. आधे नींबू को काटकर उस पर थोड़ा नमक डालें और डिब्बे पर रगड़ें. यह तरीका न सिर्फ चिपचिपापन हटाता है. बल्कि खुशबू भी देता है.

डिशवॉश लिक्विड और सिरका मिक्स

एक स्प्रे बोतल में 1 कप गर्म पानी, 1 चम्मच डिशवॉश लिक्विड और 1 चम्मच सिरका डालें. इसे डिब्बों पर स्प्रे करें और 2-3 मिनट बाद पोंछ दें. इससे तेल की गंध और चिपचिपापन दोनों गायब हो जाएंगे. इसके अलावा आप चाहें तो मार्केट में कई किचन क्लीनिंग स्प्रे मिलता है, उनका भी इस्तेमाल कर सकते हैं.

आज का राशिफल

मेष : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है। कुसंगति से हानि होगी। कम प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी।

वृषभ : जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। आज के काम कल पर नहीं टालें। विवेक का प्रयोग करें। लाभ होगा। दुष्टजनों से सावधान रहें, हानि पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कहीं से बुरी खबर मिल सकती है।

मिथुन : जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कर्क : किसी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। समय नेष्ट है। नकारात्मकता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। चिंता तथा तनाव में वृद्धि होगी।

सिंह : शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नए कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा।

कन्या : संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देंगे।

तुला : थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति हो सकती है। धन प्राप्ति सुगम होगी।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। आय में निश्चितता रहेगी।

धनु : कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ में वृद्धि होगी।

मकर : सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। प्रॉपर्टी के काम बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में सुख-शांति रहेंगे। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे अपमान हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुंभ : मनोरंजक यात्रा की आयोजना हो सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। मित्र व संबंधियों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। जोखिम न लें। आंखों को रोग व चोट से बचाएं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मीन : दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से खिन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। भागदौड़ रहेगी। जोखिम न लें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

यूपी में सांड का आतंक; राह चलते लोगों को उठाकर पटका, दो की मौत, छह घायल

अलीगढ़. अलीगढ़ में सांड के हमले ने शहर में दहशत फैला दी है। दो अलग-अलग घटनाओं में सांड ने राह चलते लोगों पर हमला कर दिया। इसके दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। ये घटनाएं क्वार्सी क्षेत्र के नगला तिकोना, मान सरोवर और गांधीपार्क क्षेत्र के डोरी नगर में हुईं। पहली घटना नगला तिकोना में हुई, जहां सांड ने अचानक राहगीरों पर हमला कर दिया। इसके बाद दूसरी घटना डोरी नगर में सामने आई। यहां सांड ने एक युवक को उठाकर पटक दिया। दोनों घटनाओं में कुल छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक युवक और एक बुजुर्ग की मौत हुई है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मुख्यमंत्री आवास के बाहर खुद को लगाई आग, आरोपितों की गिरफ्तारी न होने से था नाराज

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास के पास एक व्यक्ति ने कथित रूप से आत्मदाह करने की कोशिश की। हालांकि समय रहते मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बचा लिया और आनन-फानन में इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के मुताबिक एक केस में आरोपितों की गिरफ्तारी न होने से नाराज था। बाराबंकी जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र स्थित उजारबारा का रहने वाले शिवम कुमार ने सोमवार सुबह मुख्यमंत्री आवास के नजदीक विक्रमादित्य मार्ग चौराहे के पास करीब साढ़े 10 बजे खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर कथित तौर पर आग लगा ली। हालांकि गनीमत यही रही कि मौके पर कुछ लोग मौजूद रहे जिन्होंने कैसे भी करके आग बुझाई। उधर, सूचना मिलने पर गौतमपल्ली थाना क्षेत्र के बंदरिया बाग पुलिस चौकी के प्रभारी उप-निरीक्षक आदित्य सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और युवक को तुरंत इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले गए।

मदीना में प्रेमानंद महाराज के लिए दुआ, मुस्लिम युवक ने उनके स्वास्थ्य के लिए की प्रार्थना

संत प्रेमानंद महाराज की तबीयत खराब होने की चर्चा सुर्खियों में है। उधर, उनके उत्तम सेहत के लिए मुसलमानों के पवित्र स्थान मदीना में भी दुआ की गई। प्रयागराज के रहने वाले एक युवक ने मदीना में प्रेमानंद के लिए दुआ मांगी। जिसका वीडियो बनाकर उसने शेयर किया। अब ये वीडियो वायरल हो रहा है। वहीं, प्रेमानंद के स्वास्थ्य को लेकर देशभर में उनके अनुयायी प्रार्थना कर रहे हैं।

प्रेमानंद महाराज की स्वास्थ्य को लेकर हिंदू ही नहीं बल्कि मुस्लिम समुदाय के लोग भी प्रार्थना क रहे हैं। एक मुस्लिम युवक ने भी मदीना से उनके लिए दुआ मांगी। प्रयागराज के रहने वाले सुफियान इलाहाबादी ने मदीना की पवित्र भूमि से प्रार्थना की। वायरल वीडियो में युवक कहता नजर आ रहा है, 'प्रेमानंद जी महाराज हमारे हिन्दुस्तान के बहुत ही अच्छे इंसान हैं। पता चला कि बीमार हाल हैं।

बिहार में गुजरात मॉडल नहीं अपनाएगी बीजेपी

- तीन सूत्री फॉर्मूले से तय कर रही उम्मीदवार

नई दिल्ली. बिहार विधानसभा चुनाव के लिए सत्ताधारी NDA गठबंधन में सीटों के बंटवारे का ऐलान होने के बाद अब बारी उम्मीदवारों के ऐलान की है। इस बीच, सूत्रों से जानकारी मिली है कि बीजेपी ने गठबंधन के तहत आवंटित सभी 101 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम फाइनल कर लिए हैं और उसका ऐलान कभी भी हो सकता है। सूत्रों ने यह भी बताया है कि पार्टी बिहार में टिकट बंटवारे में गुजरात मॉडल नहीं अपनाएगी। यानी 30 फीसदी मौजूदा विधायकों के टिकट नहीं काटेगी। भाजपा अकसर सभी चुनावों में इस मॉडल का इस्तेमाल कर करीब 30 फीसदी सीटिंग MLA का टिकट काटती रही है और उनकी जगह युवाओं को मौका देती रही है लेकिन इस बार बिहार में ये मॉडल नहीं अपनाया जाएगा।

- तीन सूत्री फॉर्मूला क्या?

हालांकि, सूत्र बता रहे हैं कि पार्टी 16 मौजूदा विधायकों का टिकट काट सकती है। इसके अलावा 75 पार की उम्र वालों को भी टिकट मिल सकता है। जिनके टिकट कटेंगे उनकी सीटों पर महिलाओं और युवाओं को उतारने की रणनीति भाजपा ने बनाई है। सूत्र बता रहे हैं कि भाजपा तीन सूत्री फॉर्मूले के आधार पर गठबंधन में आवंटित सभी 101 सीटों पर उम्मीदवार उतारने जा रही है। इसके तहत जातीय समीकरण, जिताऊ उम्मीदवार और युवाओं की भागीदारी पर विशेष ध्यान दिया गया है।

- गुजरात मॉडल क्यों नहीं अपना रही BJP?

सूत्रों के हवाले से ईटी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पार्टी इसलिए ज़्यादातर मौजूदा विधायकों को उतारने जा रही है क्योंकि 2020 में ही उनमें से कई नए चेहरे उतारे गए थे। पार्टी का मानना है कि पहली बार के विधायकों और सरकार के खिलाफ कोई एंटी इनकम्बेंसी नहीं है, इसलिए अन्य राज्यों की तरह यहां औसतन 30% विधायकों के टिकट नहीं काटे जाएंगे। पार्टी इस बार कई महिला उम्मीदवारों को भी चुनाव लड़ाने की रणनीति पर काम कर रही है। चर्चा है कि कुछ केंद्रीय नेताओं को भी पार्टी विधानसभा चुनाव में उतार सकती है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी पार्टी ऐसा कर चुकी है।

कब होगी उम्मीदवारों की घोषणा?

बता दें कि भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की रविवार शाम दिल्ली में बैठक हुई थी, जिसमें पार्टी उम्मीदवारों की पहली सूची के टिकटों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, भाजपा महासचिव (संगठन) बीएल संतोष, केंद्रीय चुनाव समिति के अन्य सदस्य और बिहार के वरिष्ठ पार्टी नेता मौजूद थे। बिहार भाजपा के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि हमलोग सोमवार की शाम से प्रत्याशियों की घोषणा करने की शुरुआत करेंगे।

IRCTC घोटाले में लालू-राबड़ी और तेजस्वी के खिलाफ आरोप तय

तेजस्वी बोले- शाह ने एक महीने पहले धमकी दी थी चुनाव लड़ने लायक नहीं छोड़ेंगे

नई दिल्ली. दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को IRCTC घोटाले में आरोपी माना। अब तीनों के खिलाफ केस चलेगा। कोर्ट ने कहा, 'लालू की जानकारी में टेंडर घोटाले की पूरी साजिश रची गई। टेंडर में उनका हस्तक्षेप था। इससे लालू परिवार को फायदा हुआ।' उधर लालू ने इन आरोपों को निराधार बताया। यह मामला रांची और पुरी स्थित IRCTC की 2 होटलों के टेंडर में भ्रष्टाचार से जुड़ा है। बिहार चुनाव के बीच यह फैसला लालू और आरजेडी के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

इससे पहले लालू व्हील चेयर पर कोर्ट पहुंचे। राबड़ी और तेजस्वी भी उनके साथ थे। लैंड फॉर जॉब्स मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में आज फैसला टला। कोर्ट अब 10 नवंबर को फैसला सुनाएगा।

इधर, सुनवाई के बाद तेजस्वी यादव ने X पर लिखा- 'जब तक दंगाई और संविधान विरोधी बीजेपी सत्ता में है और मेरी उम्र है बीजेपी से लड़ते रहेंगे। एक महीना पहले बिहार आकर गृहमंत्री अमित शाह जी हमें धमकी दे रहे थे कि हमको चुनाव लड़ने लायक नहीं छोड़ेंगे। हम लड़ेंगे और जीतेंगे। हम बिहारी है बिहारी, बाहरी से नहीं डरते।'

तेजस्वी बोले- यह सब राजनीतिक प्रतिशोध है

तेजस्वी यादव ने कहा, 'हम इस मामले की कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। हमने शुरू से ही कहा था कि जैसे-जैसे चुनाव करीब आएंगे, ऐसी बातें होंगी। हम अदालत के फैसले का सम्मान करते हैं और अदालत में अपनी बात रखेंगे। जिस व्यक्ति ने रेलवे को 90,000 करोड़ रुपए का मुनाफा दिया, जिसने हर बजट में किराया घटाया, वह ऐतिहासिक रेल मंत्री के रूप में जाने जाते हैं। हार्वर्ड और IIM के छात्र लालू जी से सीखने आए थे। उन्हें मैनेजमेंट गुरु कहा जाता है। बिहार और देश की जनता सच्चाई जानती है।'

सॉफ्टवेयर इंजीनियर का आरोप-

RSS कैंप्स में यौन शोषण हुआ

- 9 अक्टूबर को खुदकुशी की थी
- प्रियंका बोलीं- ये सच है तो भयावह, जांच हो

तिरुवनंतपुरम. केरल के तिरुवनंतपुरम में 26 साल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने 9 अक्टूबर को आत्महत्या कर ली। मामला 12 अक्टूबर को तब सामने आया, जब केरल के वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया X पर जांच की मांग करते हुए कहा कि आरोप सच हैं, तो यह भयावह है।

दरअसल, इंजीनियर ने जान देने से पहले अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 15 पेज का एक सुसाइड मैसेज पोस्ट किया। इसमें RSS और उससे जुड़े लोगों पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने पोस्ट में लिखा- मैं एक व्यक्ति और एक संगठन के अलावा किसी से नाराज नहीं हूं। वह संगठन है-RSS। जब मैं 3-4 साल का था, तब पिता ने मुझे RSS से जोड़ा था। RSS कैंप्स में कई लोगों ने मेरा यौन शोषण किया। यही वह जगह है, जिसने मुझे जीवनभर का सदमा दिया। सालों से डिप्रेशन और गंभीर मानसिक बीमारी से जूझने के बाद मैंने अब अपनी जान लेने का फैसला किया है।

मृतक इंजीनियर कोट्टायम जिले के थम्पलाकाड के रहने वाले थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, उनका शव तिरुवनंतपुरम के थम्पनूर स्थित एक लॉज के कमरे में फंदे से लटका मिला था। लॉज के कर्मचारियों ने उनका शव देखा था। पुलिस ने मामले में अननेचुरल डेथ का मामला दर्ज किया है।

लड़कों से शोषण का दायरा लड़कियों जितना ही बड़ा

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने मृतक के आरोपों पर RSS से जवाब मांगा है। प्रियंका ने कहा- RSS को मामले पर तत्काल सफाई देनी चाहिए। पूरे देश में लाखों बच्चे और नाबालिग इन कैंप्स में जाते हैं। लड़कों के साथ भी लड़कियों के जितना ही यौन शोषण हो रहा है। इन जघन्य अपराधों पर चुप्पी तोड़नी होगी।

करूर भगदड़ - SC का CBI जांच का आदेश

- 3 सदस्यीय कमेटी निगरानी करेगी
- एक्टर विजय की रैली में 41 लोगों की मौत हुई थी

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को करूर भगदड़ मामले में CBI जांच के आदेश दिए। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने एक्टर विजय की पार्टी TVK और भाजपा नेता उमा आनंदन की मामले की CBI जांच याचिका पर फैसला सुनाया। मद्रास HC ने मामले की जांच SIT को सौंपी थी।

बेंच ने कहा- सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस अजय रस्तोगी की अध्यक्षता वाली 3 सदस्यीय कमेटी जांच की निगरानी करेगी। इसमें दो IPS अधिकारी (तमिलनाडु कैडर के हो, लेकिन यहां के मूल निवास नहीं) इसमें शामिल होंगे, जो IGP रैंक से नीचे के नहीं होने चाहिए।

बेंच ने 10 अक्टूबर को सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार से पूछा था कि जब AIADMK को करूर में कम जगह होने के कारण रैली की अनुमति नहीं दी गई तो फिर TVK को 27 सितंबर की रैली को कैसे इजाजत दी गई। कोर्ट ने यह भी पूछा था कि मद्रास हाईकोर्ट ने SIT जांच का आदेश कैसे दिया, जबकि मामला मदुरै बेंच में था। दरअसल, 27 सितंबर को तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की रैली में हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत हुई थी। 100 से ज्यादा लोग घायल थे।

आदेश में क्या कहा गया...

CBI के अधिकारियों से अपील है कि वे कमेटी के समक्ष जांच की मंथली रिपोर्ट पेश करें। SOP की सुनवाई बेंच को सौंपी जाएगी। हमने रजिस्ट्रार जनरल से रिपोर्ट मांगी है कि इसे आपराधिक याचिका के तौर पर कैसे लिस्ट किया गया। मद्रास HC में सिंगल जस्टिस ने चीफ जस्टिस की परमिशन के बिना याचिका पर विचार किया, जो सही नहीं माना गया। उन्होंने मदुरै बेंच के पहले के फैसले को नजरअंदाज करके मामला उठाया, जबकि उसी विषय पर मदुरै बेंच की डिवीजन बेंच पहले से ही जानकारी में थी। ऐसा करना यह दर्शाता है कि मामले को संवेदनशील और सही तरीके से संभालने में कमी रही। इसके कारण अलग-अलग कोर्ट में मामला चलने लगा। यह चिंता की बात है कि SOP से जुड़ी रिट याचिका WP क्रिमिनल में कैसे आ सकती है।

मेडिकल स्टूडेंट गैंगरेप- सभी 5 आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर में MBBS स्टूडेंट से गैंगरेप केस में पुलिस ने सोमवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया। अब तक कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने रविवार को 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। 2 आरोपी फरार थे।

वहीं, पीड़ित के पिता ने घटना पर CM ममता के बयान को असंवेदनशील बताते हुए दावा किया कि उनकी बेटी आधी रात को बाहर नहीं गई थी। पीड़ित के पिता ने कहा- मेरी बेटी का शुक्रवार (10 अक्टूबर) रात 8 बजे से 9 बजे के बीच रेप हुआ था। उन्होंने कहा- मुख्यमंत्री ममता ने झूठा दावा किया कि घटना आधी रात के बाद हुई। ममता खुद एक महिला हैं। उसके बावजूद उन्होंने असंवेदनशील टिप्पणी की और कहा कि महिलाओं को रात में बाहर नहीं निकलने देना चाहिए।

CM ममता ने रविवार को मामले पर कहा था- मैं इस घटना को देखकर स्तब्ध हूं, लेकिन निजी मेडिकल कॉलेजों को भी अपने छात्रों, खासकर लड़कियों का ध्यान रखना चाहिए। पीड़ित रात के 12:30 बजे बाहर कैसे आ गई। ममता ने आगे कहा- लड़कियों को रात में बाहर नहीं निकलने देना चाहिए। उन्हें अपनी सुरक्षा खुद करनी होगी। खासकर सुनसान इलाकों में सतर्क रहना चाहिए।

कोल्ड्रिफ बनाने वाली श्रीसन फार्मा बंद, लाइसेंस रद्द

चेन्नई. तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स का मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस पूरी तरह से रद्द कर दिया। साथ ही कंपनी को हमेशा के लिए बंद करने की घोषणा की। सरकार को श्रीसन फार्मा की फैक्ट्री में 350 से ज्यादा गंभीर श्रेणी की गड़बड़ियां मिली थीं। कोल्ड्रिफ सिरप पीने से मध्य प्रदेश में अब तक 25 बच्चों की मौत हो चुकी है। चेन्नई में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने सोमवार को श्रीसन फार्मा से जुड़े सात ठिकानों पर छापेमारी भी की है। श्रीसन फार्मा के प्रमुख कर्मचारियों और तमिलनाडु फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (TNFDA) के गिरफ्तार डायरेक्टर इन-चार्ज पी यू कार्तिकेयन के ठिकानों पर भी रेड की गई।

'मेरी तो कमाई ही खत्म हो गई, मुझे पैसा चाहिए'

- मोदी के मंत्री ने बताया क्यों छोड़ना चाहते हैं मंत्री पद

नई दिल्ली. केंद्रीय मंत्री और केरल के त्रिशूर से सांसद सुरेश गोपी ने अपने पद से इस्तीफा देने की पेशकश करके सभी को चौंका दिया था। उन्होंने अपने इस फैसले के पीछे की वजह भी बताई है। गोपी ने कहा, मेरी कमाई पूरी तरह बंद हो गई है जबकि मुझे इनकम की जरूरत है। ऐसे में मैं ऐक्टिंग की ओर फिर से लौटना चाहता हूं। गोपी ने यह भी कहा कि वह कभी मंत्री नहीं बनना चाहते थे। मैं सिनेमा में बने रहना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि उनकी जगह राज्यसभा सांसद सी सदानंदन मास्टर को केंद्र में जगह दी जा सकती है।

बता दें कि सुरेश गोपी फिलहाल पेट्रोलियम और नेचुरल गैस और पर्यटन मामलों के राज्य मंत्री हैं। उन्होंने बताया, मैंने अक्तूबर 2008 में पार्टी की सदस्यता ली थी। पहली बार मुझे लोगों ने सांसद चुना और पार्टी को लगा कि मुझे मंत्री बनाना चाहिए। कन्नूर की रैली के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि बहुत सारे लोग शब्दों के साथ छेड़छाड़ करने और बात का गलत मतलब निकालने में माहिर होते हैं।

स्मृति मंधाना तोड़ रहीं रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड

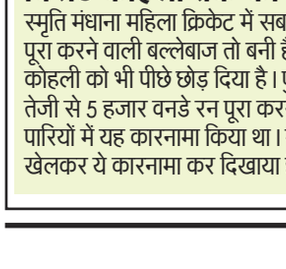

- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तो बल्ला उगल रहा आग

महिला वनडे विश्व कप के एक मैच में रविवार को ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम को रोमांचक मुकाबले में 3 विकेट से हरा दिया। भारत ने 330 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने उसे हासिल कर लिया। इस मैच में भारत की तरफ से स्मृति मंधाना ने सबसे ज्यादा 80 रन बनाए थे।

विशाल स्कोर खड़ा करने के बावजूद भारतीय टीम जीत नहीं सकी लेकिन अच्छी बात ये रही कि टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज चाहें मंधाना हो या प्रतीका रावल या हरलीन देओल; फॉर्म में लौट आई हैं। लगातार दो हार के बाद अब टीम इंडिया की कोशिश बाकी मैचों में शानदार प्रदर्शन से सेमीफाइनल का टिकट पक्का करने की होगी। स्मृति मंधाना की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 80 रन की पारी से उन्होंने इतिहास रच दिया।

स्मृति मंधाना ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जैसे ही 17 रन पूरे किए, उन्होंने एक ऐसा कारनामा कर दिया जो आज तक कोई भी महिला क्रिकेटर नहीं कर पाई थी। यह कारनामा है एक कैलेंडर वर्ष में 1000 वनडे रन पूरा करने का। इससे पहले एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वाली महिला बल्लेबाज का रिकॉर्ड बेलिंडा क्लार्क के नाम था। उन्होंने 1997 में 970 वनडे रन बनाए थे।

वह वनडे में सबसे तेजी से 5000 रन पूरी करने वाली महिला बल्लेबाज बन गई हैं। उन्होंने सिर्फ 112 पारियों में ये रिकॉर्ड हासिल किया। इस मामले में उन्होंने वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर स्टेफनी टेलर को पीछे छोड़ा है।

विराट कोहली तक को छोड़ा पीछे

स्मृति मंधाना महिला क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 5 हजार वनडे रन पूरा करने वाली बल्लेबाज तो बनी हैं, उन्होंने इस मामले में विराट कोहली को भी पीछे छोड़ दिया है। पुरुष क्रिकेटरों में कोहली सबसे तेजी से 5 हजार वनडे रन पूरा करने वाले भारतीय हैं। उन्होंने 114 पारियों में यह कारनामा किया था। मंधाना ने उनसे 2 पारियां कम खेलकर ये कारनामा कर दिखाया है।

देश में स्लो ट्रैवल का ट्रेंड

- साल 2024 में 3.09 करोड़ भारतीय विदेश गए
- 50 दिन रहकर लौटे
- आबुधाबी-हनोई फेवरेट डेस्टिनेशन

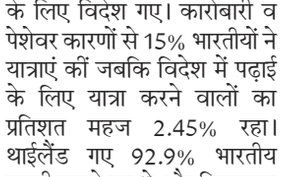

नई दिल्ली. केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय की इंडिया टूरिज्म डेटा कॉम्पेंडियम रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय टूरिस्ट्स में स्लो-ट्रैवल का एक नया ट्रेंड उभर रहा है। इसमें टूरिस्ट्स कम समय में ज्यादा जगह घूमने (फ्लैश ट्रिप्स) के बजाय अब किसी स्थान विशेष पर लंबा समय बिता रहे हैं, ताकि स्थानीय जीवन, संस्कृति और अनुभव को गहराई से महसूस कर सकें।

रिपोर्ट बताती है कि मध्य पूर्व जाने वाले भारतीयों की हिस्सेदारी एक साल में 33% से बढ़कर 36% हो गई है। दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय पर्यटकों की करीब 25% बढ़ोतरी हुई है।

साल 2024 में 3.09 करोड़ भारतीय विदेश गए और विदेश में रहने का एवरेज पीरियड भी 50 दिन से ज्यादा हो गई है।

साल 2023 की तुलना में 30 लाख अधिक यात्रियों ने भारतीय पासपोर्ट पर मुहर लगवाई। साल 2023 में भारतीयों की विदेश में औसत प्रवास अवधि 47 दिन, जबकि एक दशक पहले यानी 2015 में यह 41 दिन थी।

वियतनाम जाने वाले 67% बढ़े

रिपोर्ट के मुताबिक 2024 के दौरान भारतीयों का टॉप-10 डेस्टिनेशन देशों में विदेश यात्राओं का कुल 71.2% रहा जो एक साल पहले 2023 में 74.2% थी यानी अब भारतीय पर्यटक नए इंटरनेशनल डेस्टिनेशन की ओर रुख कर रहे हैं, भारतीय अब हर महाद्वीप में नजर आ रहे हैं।

यूएई का अबुधाबी, वियतनाम का हनोई, इंडोनेशिया का बाली सबसे फेवरेट डेस्टिनेशन के तौर पर उभरे हैं। टॉप-10 देशों के अलावा करीब 51 लाख भारतीय नई डेस्टिनेशन पर गए, जिसमें न्यूजीलैंड, पुर्तगाल, पोलैंड और उज्बेकिस्तान जैसे देश शामिल हैं।

वियतनाम जाने वाले भारतीयों की संख्या में एक साल के भीतर ही 67% का इजाफा हुआ है, जबकि सऊदी अरब जाने वाले 30% और थाईलैंड जाने वाले 26% बढ़े हैं।

थाईलैंड छुट्टी मनाने की नंबर-1 जगह

विदेश जाने का सबसे बड़ा उद्देश्य छुट्टी मनाना है। वर्ष 2024 में 42.52% भारतीय छुट्टी मनाने के लिए विदेश गए। कारोबारी व पेशेवर कारणों से 15% भारतीयों ने यात्राएं कीं जबकि विदेश में पढ़ाई के लिए यात्रा करने वालों का प्रतिशत महज 2.45% रहा। थाईलैंड गए 92.9% भारतीय छुट्टी मनाने गए थे और वियतनाम गए 91.6% भारतीयों का लीजर डेस्टिनेशन था।

उल्हासनगर महानगरपालिका सार्वत्रिक निवडणूक 2025

जाहीर सूचना

उल्हासनगर महानगरपालिकेच्या सन 2025 मध्ये होणा-या सार्वत्रिक निवडणूकीसाठी अंतिम प्रभागांच्या भौगोलिक सीमा प्रसिध्द करण्यात येत आहे :-

अंतिम प्रभागांच्या भौगोलिक सीमा प्रसिध्दीची अधिसूचना प्रसिध्द कण्याचा दिनांक	**सोमवार, दिनांक 13 ऑक्टोबर, 2025** स्थळ :- उल्हासनगर महानगरपालिका मुख्य कार्यालय, प्रभाग समिती कार्यालय क्र 1 ते 4, तसेच उल्हासनगर महानगरपालिकेच्या www.umc.gov.in या संकेतस्थळावर प्रसिध्द करण्यात येईल.

ठिकाण : उल्हासनगर
दिनांक : 13/10/2025
जा.क.उमपा / पीआरओ / 331/2025
दिनांक : 13/10/2025

सही/-
(मनिषा आव्हाळे, भा.प्र.से)
आयुक्त उल्हासनगर महानगरपालिका

उल्हासनगर महानगरपालिका सार्वत्रिक निवडणूक 2025

अंतिम प्रभाग रचना प्रसिध्दीची जाहीर सूचना

उल्हासनगर महानगरपालिकेच्या सन 2025 मध्ये होणा-या सार्वत्रिक निवडणूकीसाठी प्रारुप प्रभागांच्या भौगोलिक सीमा नकाशे, व्याप्ती निश्चित केल्यासंदर्भात शासन राजपत्रात दिनांक 03/09/2025 रोजी अधिसूचना प्रसिध्द करण्यात आली होती.

प्रारुप प्रभाग रचनेच्या अनुषंगाने प्राप्त झालेल्या हरकती व सुचनांचा विचार करुन, मा. जिल्हाधिकारी, ठाणे यांचेमार्फत नियुक्त प्राधिकृत अधिकारी यांनी केलेल्या शिफारशीनुसार उल्हासनगर महानगरपालिका सार्वत्रिक निवडणूकीसाठी सादर केलेल्या प्रस्तावास मा. राज्य निवडणूक आयोग, महाराष्ट्र यांचेकडील पत्र क्र. रानिआ/मनपा-2025/प्र. क्र. 12/का-5, दिनांक 13/10/2025 अन्वये मान्यता देण्यात आली आहे. त्यानुसार उल्हासनगर महानगरपालिकेच्या बाबतीत प्रभागांची संख्या, निवडावयाच्या सदस्यांची संख्या निश्चित झालेली आहे.

उल्हासनगर महानगरपालिका अंतिम प्रभाग रचनेच्या हद्दी दर्शविणारा नकाशा, व्याप्ती निश्चिती केल्यासंदर्भातील माहिती परिशिष्ट-14 व 15 नागरिकांना पाहण्यासाठी महानगरपालिकेच्या www.umc.gov.in या संकेत स्थळावर तसेच महानगरपालिका मुख्यालय व सर्व प्रभाग समिती कार्यालयात उपलब्ध करण्यात आले आहेत.

उपरोक्त अंतिम प्रभाग रचनेवर कोणतीही हरकत/सूचना किंवा त्याअनुषंगाने सुनावणी नियमानुसार अभिप्रेत नाही.

ठिकाण : उल्हासनगर
दिनांक : 13/10/2025
जा.क्र. उमपा / पीआरओ/331/2025
दिनांक : 13/10/2025

सही/-
(मनिषा आव्हाळे, भा.प्र.से)
आयुक्त
उल्हासनगर महानगरपालिका

संक्षेप...

मोबाइल चोर गिरफ्तार, 20 फोन बरामद

मीरारोड. मीरा-भाईंदर, वसई - विरार पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध डिटेक्शन शाखा ने मोबाइल चोरी के एक आरोपी को नालासोपारा से गिरफ्तार कर उसके पास से सैमसंग, वीवो, ओप्पो और आईफोन समेत 1,16000 रुपए मूल्य के 20 चोरी के मोबाइल बरामद किए. आरोपी अब्दुल रहमान ताहिर बड्डू (28) ने मीरा रोड, नवघर और अन्य इलाकों से मोबाइल चोरी किए थे.उसके खिलाफ कई पुलिस थानों में सेंधमारी और चोरी के मामले पहले से दर्ज हैं.

यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक महेश तोगरवाड, पुलिस निरीक्षक (अपराध) संजय पुजारी और उनकी टीम द्वारा की गई.

भिवंडी मनपा का अजीबोगरीब कारभार

- लिपिक को बनाया प्रभारी शहर विकास प्रमुख..
- मनपा में भ्रष्टाचार का खेला नहीं हो रहा बंद

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी मनपा प्रशासन द्वारा 4 दिन पूर्व किए गए ट्रांसफर में प्रभाग समिति में कार्यरत लिपिक को शहर विकास विभाग प्रमुख का महत्वपूर्ण पद देकर तमाम नियम कानून को ठेंगा दिखाया है.शहर विकास अधिकारी का पद इंजीनियर दर्जे के अधिकारी के लिए होने के बाद भी मनपा उपायुक्त विक्रम दराडे ने लिपिक को महत्वपूर्ण शहर विकास विभाग की जिम्मेदारी सौंपकर मनपा सहित शहर के तमाम जागरूक नागरिकों को चौंका दिया है.शहर के जागरूक नागरिकों ने प्रश्न उठाया है कि,लिपिक से शहर विकास विभाग प्रमुख बनाए जाने में भारी भ्रष्टाचार की बू आने से इंकार नहीं किया जा सकता है. जागरूक नागरिकों का कहना है कि,मनपा प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर को सक्षम अधिकारी को ही महत्वपूर्व विभागों की जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए अन्यथा मनपा में भ्रष्टाचार का खेला कदापि नहीं रुकेगा.

गौरतलब हो कि,भिवंडी मनपा प्रशासन द्वारा डिप्लोमा धारी अधिकारी के बजाय लिपिक को शहर विकास अधिकारी जैसा महत्वपूर्ण पद देकर मनपा सेवा शर्तों का माखौल उड़ाया गया है.एक लिपिक को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपकर मनपा प्रशासन खुद अपना मजाक उड़ा रहा है.

भिवंडी मनपा प्रशासन ने एक बार फिर कर्मचारियों की तबादला सूची जारी की है, जिसमें 13 अधिकारियों और कर्मचारियों के स्थानांतरण किए गए हैं जो समूचे शहर में चर्चा का विषय बनकर उभरा हुआ है. मनपा उपायुक्त विक्रम दराडे द्वारा प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर की मंजूरी से जारी ट्रांसफर सूची में मूल रूप से लिपिक पद पर कार्यरत समीर जवरे को प्रभारी शहर विकास विभाग और विभाग प्रमुख नियुक्त किया गया है.उक्त विभाग अवैध बांधकाम, जर्जर इमारतों के निष्कासन और अवैध निर्माणों पर नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए जिम्मेदार है.मनपा सूत्रों की माने तो,उक्त पद सामान्यतः 'बिल्डिंग कम इंस्पेक्टर' डिप्लोमा धारकों के लिए आरक्षित होने के बावजूद एक लिपिक को जिम्मेदारी देकर मनपा सेवा नियमों की धज्जियां उड़ाई गई हैं.मिलिंद पलसुले को क्रीड़ा विभाग का प्रभारी और समाज कल्याण विभाग का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है.मनपा उपायुक्त (स्थापना विभाग) विक्रम दराडे द्वारा किए गए अन्य तबादलों में विनोद सकपाल प्रभारी उपनिबंधक (जन्म-मृत्यु विभाग),सुनील चौहान प्रभाग समिति 5 का प्रभारी, निहाला इरफान पटेल को प्रभारी दूरध्वनी विभाग, आम्रपाली सोरटे जन्म-मृत्यु लिपिक,विश्वास वाघे को स्थापना विभाग का लिपिक, अलका मटाले को दूरध्वनी विभाग लिपिक, प्रवीण गोडे को चुनाव विभाग लिपिक का अतिरिक्त चार्ज, अकबर शेख प्रभाग समिति 1 प्रभारी लिपिक,स्वप्निल गायकवाड़ को प्रभारी कर मूल्यांकन विभाग, सिपाही अभिषेक घोष्टेकर भविष्य -निर्वाह निधि विभाग में ट्रांसफर किए गए हैं. मनपा प्रशासन सूत्रों का कहना है कि, मनपा में सक्षम अधिकारियों की भारी कमी है.सक्षम अधिकारियों के कई महत्वपूर्ण पद खाली होने से दैनिक कामकाज बाधित होता है.मनपा में किसी भी लिपिक को प्रभारी अधिकारी बनाया जाना मात्र मजबूरीवश है.प्रभारी बनाना केवल अस्थाई व्यवस्था है.शासन को मनपा में सक्षम अधिकारियों की कमी के बारे में अवगत कराते हुए खाली महत्वपूर्ण पदों को भरे जाने हेतु कई बार लिखितपत्र दिया गया है.

ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव ने

सांसद म्हस्के की मांगों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दिया

ठाणे. सांसद नरेश म्हस्के ने आयुक्त सौरभ राव के साथ राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों की सीधी भर्ती, डाटा एंट्री कर्मचारियों का पारिश्रमिक बढ़ाने, सफाई कर्मचारियों के लिए न्यूनतम वेतन, सेवानिवृत्त मनपा कर्मचारियों के बकाया का तत्काल भुगतान, हीरानंदानी एस्टेट के निवासियों को नागरिक सुविधाएं प्रदान करने, माजीवाड़ा स्थित लोढ़ा हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में प्रवेश करने वाले बारिश के पानी से रास्ता हटाने आदि जैसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

आयुक्त ने सकारात्मक रुख दिखाते हुए सभी मांगों का समाधान करने का आश्वासन दिया है।सांसद नरेश म्हस्के ने आज ठाणे आयुक्त सौरभ राव से मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर हीरानंदानी एस्टेट महासंघ, लोढ़ा हाउसिंग कॉम्प्लेक्स सोसाइटी के पदाधिकारी और मनपा के अधिकारी उपस्थित थे।

आदर्श शिक्षक सम्मान समारोह संपन्न

सरकारी मशीनरी कमीशन के अनुसार भवन बनाती है; लेकिन शिक्षकों की भर्ती नहीं -सांसद बाल्या मामा

भिवंडी. भिवंडी पंचायत समिति शिक्षा विभाग द्वारा भिवंडी सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा की उपस्थिति में तालुका स्तरीय मेधावी शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. उक्त अवसर पर पूर्व पंचायत समिति अध्यक्ष महादेव घरात, विकास भोईर, गट विकास अधिकारी गोविंद खामकर, गट शिक्षा अधिकारी संजय असवाले और अन्य गणमान्य उपस्थित थे. तालुका के 900 शिक्षकों में से 10 शिक्षकों को आदर्श शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया.मुख्यमंत्री के मेरा विद्यालय सुंदर विद्यालय 2023-24 के अंतर्गत 3 सरकारी स्कूलों, तीन निजी प्रबंधन स्कूलों को आदर्श विद्यालय पुरस्कार से सम्मानित किया गया. जिला परिषद देवरंग स्कूल को आदर्श विद्यालय पुरस्कार से सम्मानित किया गया. शिक्षक संदीप लाडकू मांजे, श्रीमती अर्चना दीपक देगाने, श्रीमती श्रद्धा शरद पाटिल, श्रीमती पुष्पा परशुराम थोरात, श्रीमती छाया लक्ष्मण जाधव, जफर अहमद हुसैन मुजावर, शांताराम कुशा पवार, संदीप रामदास पाटिल, विश्वास कथोड़ जाधव, श्रीमती मेघाली शशिकांत चौधरी स्कूल के साथ जिला आदर्श पुरस्कार प्राप्त स्नातक शिक्षिका श्रीमती पुष्पावती तुकाराम भोईर, आदर्श केंद्र की प्रमुख श्रीमती प्रिया प्रकाश पाटिल शामिल थीं.

आदर्श विषय विशेषज्ञ श्रीमती योगिता पुंडलिक चौधरी को सम्मानित किया गया. मुख्यमंत्री स्वच्छ एवं सुंदर विद्यालय प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले जिला परिषद विद्यालय खंबाले एवं जिला परिषद विद्यालय सोनाले को पुरस्कृत किया गया.परिषदीय स्कूल कुसापुर को प्रथम, जबकि निजी प्रबंधन स्कूल श्रेणी में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाले बी. बी. पाटिल स्कूल कुरुंद, कन्या स्कूल वज्रेश्वरी, आश्रम स्कूल शिरोले को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया.

सांसद म्हात्रे ने नाराजगी का किया इजहार

सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने प्रतिभाशाली शिक्षकों की प्रशंसा की और जिला परिषद स्कूलों में शिक्षकों की कमी के बारे में सरकार की नीति पर नाराजगी व्यक्त की. उन्होंने कहा कि,सरकार स्कूल भवनों के निर्माण और मरम्मत पर करोड़ों रुपये खर्च करती है, यह सब केवल प्रतिशत के कमीशन के लिए किया जाता है. स्कूलों में पढ़ाने के लिए शिक्षक नहीं हैं.तालुका के 308 जिला परिषद स्कूलों में 195 शिक्षकों की कमी है. सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने कहा है कि यदि आवश्यक हो, तो वे अपने व्यक्तिगत खर्चे से मानदेय पर कुछ शिक्षक प्रदान कर बच्चों की शिक्षा में सहयोग करेंगे.

बुधवार को ठाणे के कुछ इलाकों में पानी नहीं

ठाणे. ठाणे मनपा की अपनी जल आपूर्ति योजना के पिसे और टेमघर जल शोधन केंद्रों के उच्च दाब सबस्टेशन में आवश्यक कार्य, नियंत्रण पैनलों की मरम्मत, ट्रांसफार्मर तेल निस्पंदन और अन्य आवश्यक कार्य बुधवार 15 को किए जाने की योजना बनाई गई है। बुधवार 15 को सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक अपनी स्वयं की जल आपूर्ति योजना को 12 घंटे के लिए बंद रखना आवश्यक है। इस दिन, मी.स्टेम प्राधिकरण की जल आपूर्ति ज़ोनिंग द्वारा जारी रहेगी। घोड़बंदर रोड, वर्तकनगर, रितुपार्क, जेल, गांधीनगर, रुस्तमजी, सिद्धांचल, समतानगर, सिद्धेश्वर, इंटरनिटी, जॉनसन और कलवा के कुछ इलाकों में बुधवार,15 को सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक 12 घंटे के लिए जलापूर्ति पूरी तरह से बंद रहेगी।उपरोक्त बंद के कारण, अगले 1 से 2 दिनों तक कम दबाव वाली जलापूर्ति की संभावना है, जब तक कि जलापूर्ति अपने पूर्व स्तर पर नहीं आ जाती।

कोपरी पुलिस बुज़ुर्गों के लिए लाई खुशियां

- कोपरी पुलिस ने बुज़ुर्गों के घर जाकर बाँटीं मिठाइयाँ

ठाणे. दिवाली खुशी, रोशनी और स्नेह का त्योहार है लेकिन भीड़-भाड़ वाले शहर में, कई बुज़ुर्ग ऐसे भी हैं जो इस त्योहार में भी घर पर अकेले दीये जलाते हैं। बच्चे विदेश में हैं, रिश्तेदार दूर हैं, और दरवाज़ा खटखटाने वाला कोई नहीं है ऐसे अकेलेपन में, कोपरी पुलिस मिठाइयों, फूलों और स्नेह के उपहारों के साथ दिवाली का असली दीया लेकर आई।कोपरी पुलिस, जो न केवल त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, बल्कि समाज की संवेदनशीलता को बनाए रखने की ज़िम्मेदारी भी निभाती है, ने ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे के मार्गदर्शन में 'वरिष्ठ नागरिक सेवा अभियान' चलाया है। इस पहल के तहत, पुलिस अकेले रहने वाले बुज़ुर्गों के घर जाकर उनकी ज़रूरतों के बारे में पूछताछ करती है, उनकी ज़रूरतों का पता लगाती है और इस दिवाली उनके हाथों में मीठी मिठाइयाँ बाँटकर उनकी खुशियाँ बढ़ाती है। हर साल, कोपरी पुलिस दिवाली के दौरान नियमित रूप से यह पहल करती है। मिठाई देकर वे बुजुर्गों को 'अपना' होने का एहसास दिलाते हैं। हालाँकि, कई बुजुर्गों की आँखों में कृतज्ञता के आँसू आ जाते हैं। पुलिस ने बुज़ुर्गों को मिठाई देकर शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक निशिकांत सीताराम गावित, जितेंद्र खलाटे, बापू कोलेकर उपस्थित थे।

हमने अपने इलाके में अकेले रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों का व्यक्तिगत विवरण दर्ज कर लिया है। अगर उन्हें कोई समस्या होती है या मदद की ज़रूरत होती है, तो पुलिस तुरंत उनके घर पहुँच जाती है। हम यह भी ध्यान रखते हैं कि उनके घर कौन आता-जाता है, कर्मचारी कैसा व्यवहार करते हैं। हमारा लक्ष्य है। 'वरिष्ठ नागरिक सुरक्षित, संतुष्ट और खुश रहें!

-निशिकांत विश्वकर (वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक)

अनाथ बच्चों के साथ बांटी जन्मदिन की खुशियां

रिमांड होम में रोटेरियन और गणमान्य लोगों की रही मौजूदगी

भिवंडी. महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस जनरल सेक्रेट्री,मनपा शिक्षण मंडल पूर्व सभापति, नागरिक बैंक के पूर्व चेयरमैन, रोटरी क्लब आफ भिवंडी के सेक्रेट्री प्रदीप (पप्पू) राका ने अपनी जन्मदिन की खुशियां बाल सुधार गृह के अनाथ बच्चों के साथ मनाई.रोटरी क्लब ऑफ भिवंडी सहित शहर के गणमान्य हस्तियों की गरिमामई उपस्थिति में अनाथ बच्चों को स्वादिष्ट व्यंजन, मिठाई खिलाकर हैप्पी बर्थडे गीत गाकर आनंदित होकर जन्मदिन की खुशियां मनाई गईं. राजनैतिक दलों के तमाम शीर्ष नेताओं सहित शहर की तमाम गणमान्य हस्तियों ने कांग्रेस जनरल सेक्रेट्री प्रदीप राका को जन्मदिन की बधाई देते हुए अग्रिम राजनीतिक जीवन एवं स्वास्थ्य बेहतरी की कामना की.उक्त मौके पर नवी चाल मंडई स्थित सुपार्श्वनाथ जैन मंदिर उपाध्यक्ष जयंतीलाल जैन, जैन मंदिर मुख्य ट्रस्टी पारसमल जैन,कांग्रेस वरिष्ठ नेता अशोक कुमार फड़तरे, मनपा पूर्व पार्षद ऋषिका राका, दिनेश शेट्टी,विक्की रोकड़े, श्याम सिंगासने, अशोक जैन,राजू जैन, विमल जैन,पत्रकार गुरुप्रसाद सिंह सहित भारी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे.

वैभवी फरडे को राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ छात्रा का पुरस्कार

- लातूर में आयोजित द्विवार्षिक छात्र नर्सिंग सम्मेलन में सम्मानित

ठाणे. मनपा की मीनाताई ठाकरे नर्सिंग शिक्षा संस्थान की छात्रा वैभवी फरडे को सर्वश्रेष्ठ छात्रा का पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार लातूर में आयोजित स्टूडेंट नर्सेज एसोसिएशन ऑफ इंडिया (SNAI) के 31वें द्विवार्षिक राज्य सम्मेलन में प्रदान किया गया। यह पुरस्कार ट्रेंड नर्सेज एसोसिएशन ऑफ इंडिया (TNAI) की महाराष्ट्र राज्य शाखा द्वारा हाल ही में लातूर में आयोजित द्विवार्षिक सम्मेलन (शुक्रवार, 10 अक्टूबर) में प्रदान किया गया। पुरस्कार महाराष्ट्र नर्सिंग काउंसिल की सचिव रत्ना देवरे ने वितरित किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र नर्सिंग काउंसिल के उपाध्यक्ष अरुण कदम, TNIA के उपाध्यक्ष दीपक मल, महाराष्ट्र राज्य शाखा के राजाभाऊ राठौड़, SNAI सलाहकार शिल्पा शेट्टीगर आदि उपस्थित थे।मीनाताई ठाकरे नर्सिंग शिक्षा संस्थान में जीएनएम की पढ़ाई कर रही वैभवी फरडे को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रगति, नैदानिक कौशल, नेतृत्व गुणों के साथ-साथ नर्सिंग पेशे के प्रति निष्ठा और समर्पण के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

ठाणे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का मनोज रानाडे ने संभाला अतिरिक्त कार्यभार

ठाणे. जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रोहन घुगे (बी.ए.एस.) का स्थानांतरण जलगाँव के जिला कलेक्टर के पद पर किया गया है और उनके पद का अतिरिक्त कार्यभार पालघर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मनोज रानाडे (बी.ए.एस.) को सौंपा गया है।रोहन घुगे को 8 अक्टूबर, 2025 को दोपहर में जिला परिषद, ठाणे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद से मुक्त करते हुए, मनोज रानाडे को कार्यभार सौंपा गया है। मनोज रानाडे ने 10 अक्टूबर, 2025 को दोपहर में जिला परिषद, ठाणे के पद का अतिरिक्त कार्यभार संभाला है।रोहन घुगे के नेतृत्व में ठाणे जिला परिषद ने विकास के कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अब हम इस मार्ग पर और अधिक गति से आगे बढ़ते रहेंगे और न ाग रिक - उ न्मु ख , पारदर्शी और प्रौद्योगिकी- आ ध ारित प्रशासन पर ध्यान केंद्रित रखेंगे, पालघर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और ठाणे जिला परिषद के अतिरिक्त प्रभार मनोज रानाडे ने कहा।

सैयारा फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा ने की रैंपवॉक

- लैकमे फैशन वीक के ग्रैंड फिनाले में दिखा ग्लैमरस लुक
- चलने के स्टाइल पर ट्रोलर्स के निशाने पर आईं

ब्लॉकबस्टर फिल्म सैयारा की लीड एक्ट्रेस अनीत पड्डा ने रविवार को आयोजित लैकमे ग्रैंड फिनाले में बतौर शो स्टॉपर रैंप वॉक की। गोल्डन बॉडी फिटेड गाउन में अनीत पड्डा का बेहद ग्लैमरस लुक देखने को मिला। हालांकि चलने के स्टाइल पर कई लोग उन्हें ट्रोल कर रहे हैं।

वॉक के चलते ट्रोल हुईं अनीत पड्डा

अनीत पड्डा के लैकमे फैशन वीक में डेब्यू करने पर फैंस काफी खुश हैं। कई लोग उनके लुक की जमकर तारीफें करते हुए उन्हें नई अचीवमेंट पर बधाई दे रहे हैं। वहीं कुछ यूजर्स ऐसे हैं जो उनके चलने के स्टाइल पर उन्हें ट्रोल कर रहे हैं।

बताते चलें कि फिल्म सलाम वैंकी में छोटा सा किरदार निभाने के बाद अनीत पड्डा बतौर लीड फिल्म सैयारा में नजर आई थीं। ये फिल्म ब्लॉकबस्टर रही थी। आने वाले समय में अनीत कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म न्याय में नजर आएंगी।इस फिल्म में फातिमा सना शेख उनकी को-स्टार होने वाली हैं। फिल्म 2026 में रिलीज हो सकती है।

कांग्रेस के नवनिर्वाचित पदाधिकारी सम्मानित

- संगठन को मजबूत करने का संकल्प

मुंबई. मुंबई कांग्रेस के नव निर्वाचित पदाधिकारियों के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन मुलुंड के शेट्टी ग्रैंड सेंट्रल हाल में किया गया था। यह सम्मान समारोह ब्लॉक कांग्रेस द्वारा किया गया था।

इस अवसर पर मुंबई कांग्रेस महासचिव राकेश शेट्टी ने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत हैं। जहां तक गुटबाजी की बात है तो ऐसा मुलुंड में ऐसा नहीं है। सभी को संगठन को मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि सभी कांग्रेसी मिलकर कार्य करें तो बदलाव जरूर आएगा।

इस दौरान सत्कारमूर्ति मुंबई कांग्रेस महासचिव राकेश शेट्टी, राजेंद्र प्रसाद सिंह, उत्तम गीते, उपाध्यक्ष कुमार नायर , ईशान्य मुंबई जिला अध्यक्ष केतन शाह का सम्मान किया गया। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ बाबूलाल सिंह,ईशान्य मुंबई जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष रमेश विश्वकर्मा, धीरेन तन्ना, ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद यादव के अलावा अन्य कांग्रेसी नेता उपस्थित थे।

चुनाव प्रबंधन का जिक्र

इस दौरान वक्ताओं ने चुनाव प्रबंधन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मुलुंड कांग्रेस का गढ़ माना जाता था, लेकिन 40 साल से यहां कांग्रेस का कोई विधायक और 22 साल से कोई नगर सेवक नहीं है। समारोह में सभी वक्ताओं ने संगठन को मजबूत करने के संकल्प दोहराए।

35 वर्षीय व्यक्ति ने ट्रेन के आगे कर ली आत्महत्या

कल्याण. महाराष्ट्र के ठाणे जिले में 35 वर्षीय व्यक्ति ने लंबी दूरी की ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। कोपर रेलवे स्टेशन पर हुई इस घटना के कारण कुछ देर के लिए ट्रेनों का आवागमन बाधित रहा। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की डोंबिवली इकाई के अधिकारियों के अनुसार, घटना से पहले व्यक्ति को कुछ देर तक प्लेटफॉर्म पर टहलते देखा गया था। एक पुलिस अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि वह सामान्य व्यवहार कर रहा था और उसके हाथ में एक बैग था। जीआरपी के एक अधिकारी ने कहा, ₹यात्रियों को लगा कि वह व्यक्ति ट्रेन का इंतज़ार कर रहा है। अचानक, वह प्लेटफॉर्म से नीचे उतरा और स्टेशन के पूर्वी हिस्से की ओर चलने लगा। जैसे ही कल्याण की ओर से एक एक्सप्रेस ट्रेन आई, उसने खुद को पटरियों पर फेंक दिया।

कुर्ला सीएसटी रोड पर देर रात एक स्क्रैप गोदाम में भीषण आग

मुंबई. महाराष्ट्र के मुंबई में कुर्ला सीएसटी रोड पर देर रात एक स्क्रैप गोदाम में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास की कई दुकानें भी इसकी चपेट में आ गईं। घटना रात करीब 2:30 बजे की बताई जा रही है। आग बुझाने के लिए दमकल विभाग की कई गाड़ियाँ मौके पर पहुंचीं और करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। फिलहाल इलाके में ठंडा करने (कूलिंग) का काम जारी है। आग लगने की वजहों की जांच की जा रही है दिखें आग का वीडियो इस घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दुकानें जलती हुई दिखाई दे रही हैं और बड़ी-बड़ी आग की लपटें उठ रही हैं।

CHANGE OF NAME

I hereby declare that my former name was
Hitesh Sureshkumar Karmani,
and I have changed it to
Hitesh Suresh Karmani.
Henceforth, I shall be known as
Hitesh Suresh Karmani
for all purposes and records.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099